भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं0 **2343**
दिनांक 0**8** जुलाई**,** 201 9

गैस ट र्मनल

2343. श्रीमती महुआ मोइत्राः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या भारतीय गैस प्रा धकरण ल मटेड **(**गेल) ने **2,485** करोड़ रुपये की लागत के गैस ट र्मनल की स्थापना के लए **26.10.2013** को पारादीप पत्तन न्यास के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कए हैं ले कन मार्च**, 2015** को गेल ने मनमाने ढंग से इस फ्लोटिंग स्टोरेज को छोड़ने और पुनर्गैसीकरण यूनिट परियोजना का कार्य बंद करने का निर्णय लया है**;**

(ख) यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**;**

(ग) क्या गेल और आईओसीएल ने धमरा पोर्ट में **11** प्रतिशत और **38** प्रतिशत की हिस्सेदारी लेने के लए कसी निजी कम्पनी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर कए हैं जिसके अन्तर्गत दोनों पीएसयूज़ का पारादीप पत्तन के **2485** करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय का तुलना में **34,500** करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय होगा और यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं**;** और

(घ) क्या यह सच है क उक्त परियोजना का खर्च ग्राहकों से वसूला जाएगा और यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं**?**

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) से (घ): गेल ने बताया है क सतंबर**,2012** में**,** गेल ने भारत के पूर्वी तट के ऊपरी हिस्से में फ्लोटिंग स्टोरेज और री-गैसी फकेशन यूनिट (एफएसआरयू) स्था पत करने की परियोजना (परियोजनाएं) शुरू करने की संभावना तलाशने के उद्देश्य से व्यवहार्यता अध्ययन करने के लए एक परामर्शदाता की नियुक्ति की थी जिससे भारत के पूर्वी हिस्से में प्राकृतिक गैस बाजार को वक सत करने में सु वधा मलेगी। परामर्शदाता ने स्थल का स्क्रीनिंग संबंधी अध्ययन कया था और दो स्थलों को सूचीबद्ध कया था जिसमें से एक स्थल धामरा पोर्ट के निकट और दूसरा पारादीप पोर्ट के निकट स्थित था।

स्थल को अंतिम रूप देने से पहले**,** इं डयन पोर्ट्स एसो सएशन और ओ डशा सरकार के साथ परामर्श करने का निर्णय लया गया था। इसी बीच**,** पारादीप पोर्ट ट्रस्ट ने भी गेल से संपर्क कया और पारादीप पोर्ट के समुद्र में एलएनजी पुनर्गैसीकरण ट र्मनल स्था पत करने में

अपनी रु च व्यक्त की थी। तदनुसार, गेल ने पारादीप पोर्ट ट्रस्ट के साथ तीन वर्षों की अव ध के लए एक एमओयू पर दिनांक 26.10.2013 को हस्ताक्षर कए थे। तथा प, मार्च, 2015 में हुई बैठक के दौरान, यह वचार-वमर्श कया गया था क चूं क देश के पूर्वी हिस्से में गैस की मांग के बढ़ने में अभी कुछ समय लगेगा इस लए एक ही समय पर ऐसे निकट स्थलों पर दो प्रतिस्पर्धी एलएनजी ट र्मनलों को स्था पत कया जाना स्टैंडएलोन आधार पर वा णज्यिक रूप से व्यवहार्य नहीं होगा।

अडानी पेट्रो लयम ट र्मनल प्रा0 ल0 (एपीटीपीएल) और एपीटीपीएल की सहायक कंपनी धामरा एलएनजी ट र्मनल प्रा**0** ल0 (डीएलटीपीएल), आईओसीएल तथा गेल के बीच दिनांक 21.09.2016 को एक गैर-बाध्यकारी एमओयू पर हस्ताक्षर कए गए थे जिसके तहत आईओसीएल और गेल के प्रबंधन का अनुमोदन प्राप्त होने और संबं धत पुनर्गैसीकरण करारों से संबं धत बातचीत के सफल होने की शर्त पर डीएलटीपीएल की इक्विटी संरचना पर इस प्रकार से सहमति बनी है -एपीटीपीएल: 50%, आईओसीएल: 39%, गेल: 11% । यह एमओयू 20.09.2018 को समाप्त हो गया है। इसके अलावा, गेल और आईओसीएल ने बताया है क उनके द्वारा इस परियोजना पर कोई पूंजीगत व्यय नहीं कया गया है।

*****